भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2192
बुधवार, 2 अगस्त, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में वृद्धि

2192. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या देश में प्राकृतिक आपदाओं की संख्या में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का रियल टाइम डेटा मॉनीटरिंग और डेटा कलेक्शन में सुधार लाने के लिए देश में और अधिक भूकंप विज्ञान केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रिजिजू)

(क) जी हां। हाल के अध्ययनों से ग्लोबल वार्मिंग/जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में दुनिया के विभिन्न भागों और भारत के विभिन्न क्षेत्रों में चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और परिमाण में उल्लेखनीय वृद्धि की प्रवृत्ति का पता चला है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा प्रकाशित जलवायु परिवर्तन आकलन रिपोर्ट में बताया गया है कि गर्म होते पर्यावरण और क्षेत्रीय मानवजनित प्रभावों के बीच पृथ्वी प्रणाली के घटकों के बीच जटिल अन्त:क्रियाओं के परिणाम स्वरूप पिछले कुछ दशकों में स्थानीयकृत भारी वर्षा की घटनाओं, सूखे और बाढ़ की आवृत्ति एवं उष्णकटिबंधीय चक्रवातों की तीव्रता में वृद्धि हुई है। यह पुस्तक भारत में जलवायु परिवर्तन की वर्तमान स्थिति और भविष्य के अनुमानों का सारांश भी प्रस्तुत करती है।

देश और उसके आसपास भूकंपों के बारे में जानकारी की वर्तमान स्थिति, भूकंप की घटनाओं की आवृत्ति में किसी निश्चित पैटर्न को नहीं दर्शाती है जिससे भूकंप घटनाओं में किसी भी बढोतरी का पता चल सके। तथापि, हाल के वर्षों के दौरान, देश में भूकंपीय निगरानी में बहुत सुधार हुआ है और यहां तक कि कम तीव्रता वाले भूकंपों का भी स्वचालित रूप से पता लगाया गया है तथा राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अन्य सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से प्रसारित किया जाता है। यह शायद देश में बढ़ी हुई भूकंप घटनाओं का आभास दे रहा है, जिस पर पहले ध्यान नहीं दिया गया था।

(ख) और (ग) जी हां। भूकंपीय नेटवर्क का विस्तार राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र, जो पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय है और देश में भूकंप की निगरानी के लिए भारत सरकार की नोडल एजेंसी है, की नियमित गतिविधियों में से एक है। वर्तमान में भारत और उसके आसपास भूकंपीय घटनाओं की निगरानी के लिए राष्ट्रीय भूकंपीय नेटवर्क की कुल 153 वेधशालाएं पूरे देश में कार्यरत हैं।

******